

ठंडे मौसम का गार्म फैशन

विंटर में आप मोनोक्रोम ड्रेस (सिंगल कलर की ड्रेस) या मिक्स एण्ड मैच दोनों तरह की ड्रेसिंग स्टाइल को ट्राय कर सकते हैं। मिनी स्कर्ट के साथ लैगिंग्स का कॉम्बिनेशन लुक में लाजवाब होता है। लैगिंग्स के फेब्रिक में चैंज चाहने वाले फैशन प्रेमी ऊनी लैगिंग्स भी ट्राय कर सकते हैं।

ठंड ने न केवल दस्तक दे दी है बल्कि यह अपना असर भी दिखाने लगी है। फैशन के लिहाज से यह मौसम युवाओं के लिए अनुकूल होता है। और इसमें में भी यदि बात वूलन फैशन की हो तो क्या कहने। लेदर के साथ ही युवाओं में वूलन के प्रति क्रेज बना हुआ है। प्रस्तुत हैं वूलन फैशन को लेकर कुछ उपयोगी जानकारियां:-

- वूलन बहुत ही इयूरेबल होते हैं। इनमें इतने कलर्स और डिफरेंट पैटर्न की डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें ट्राई कर आप अपना एक बहुत ही सॉफ्ट, हॉट और स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट बना सकते हैं। चाहे मफलर हो, स्वेटर हो या फिर कैप ही क्यों न हो ये खूबसूरत लगते हैं। इसलिए अपने रंग के अनुसार कलर चुनें और अपनी सुविधा का सबसे ज्यादा खयाल रखें। यानी फैशन का अंधानुकरण न करें। जो आप पर फबे, जचे और सुविधाजनक लगे वही फैशन अपनाएं।
- आप स्वेटर खरीदें या मफलर ये जरूर देख लें कि फेब्रिक की कम्पोजिशन क्या है। लेबल देखें। सही साइज देखें और सुनिश्चित कर लें कि यह आपके लिए सूटबल है।
- यह ध्यान से देखें कि आप जो खरीद रहे हैं वह वेल मेड है कि नहीं। टॉप स्टीचिंग इवन होने चाहिए। लाइनिंग में पिकरिंग न हो। और किसी भी तरह का कोई लूज थ्रेड न हो। इन बातों का खास खयाल रखें।
- आप जिस फेब्रिक को खरीद रहे, क्या वह पहनने और चलने के बाद नाइसली फलो हो रहा है? क्या फेब्रिक का वेट आपको ठीक लग रहा है?
- ध्यान रखें कि आपने जो भी चीज खरीदी है वह आपकी बॉडी अग्रेस्ट फील गुड करा रही है या नहीं। वह चुभने वाली या गड़ने वाली न हो।

वूलन में देखिए फील गुड फैक्टर

स्कर्ट के साथ शार्ट जैकेट की बजाय श्री फोर्थ या लॉग जैकेट पहनें। लॉग जैकेट को आप साड़ी सूट, शर्ट आदि के साथ भी पहन सकते हैं। शॉल की बजाय स्टील लुक व उपयोग दोनों के लिहाज से बेहतर माने जाते हैं।

इस सीजन में दो डिफरेंट रंगों के कॉम्बिनेशन को ट्राय करें। अर्दी शोड वाली ड्रेस पर ब्राइट कलर का फर्की जैकेट या स्कार्फ ट्राय करें।

एक्सपर्ट व्यू

विंटर में जंपर्स का कोई विकल्प नहीं है। कूल और कफर्टेबल जंपर्स को आप कोट के साथ भी पहन सकते हैं। ब्लैक कोट का फैशन इस बार भी विंटर में इन रहेगा। ब्लैक कोट के साथ आप ऑरेंज, रेड और ग्रीन कलर का स्कार्फ या मफलर ट्राय कर ट्रेंडी लुक पा सकते हैं। फेब्रिक में शिम्बर के साथ ही मेटल और प्लास्टिक शाइन वाले फेब्रिक्स को ट्राय किया जा सकता है। पोल्का डॉट्स, अलग-अलग नेक पैटर्न वाले फर और फेदर के जैकेट, एनिमल प्रिंट्स आदि की डिमांड इस सीजन में खूब रहेगी।

इक बंगला बने न्यारा... नए घर का निर्माण, वास्तु के अनुसार

- भूखंड पर किसी भी प्रकार का जल संसाधन लगवाना हो तो इसके लिए सदैव (हेण्डपम्प, कुआ, जेटपम्प आदि के लिए) उत्तर-पूर्व दिशा अर्थात् ईशान कोण ही सही रहता है।
- भवन में खिड़कियां तथा रोशनदानों के निर्माण का प्रमुख उद्देश्य घर में शुद्ध वायु का आगमन है।
- खिड़कियां तथा रोशन दानों का निर्माण सदैव दरवाजे के पास ही करें।
- दरवाजे के सामने या बराबर में खिड़कियां होने से चुंबकीय चक्र पूर्ण हो जाता है, जिससे भवन में सुख-शांति का वास होता है।
- खिड़की तथा रोशनदानों के निर्माण के लिए पूर्व, पश्चिम तथा उत्तर दिशा श्रेष्ठ एक शुभ फलदायक होती है।
- वायु प्रदूषण से बचाव के लिए घरों में शुद्ध वायु जिन दिशाओं से प्रवेश करे उनके विपरीत दिशाओं में एक्जॉस्ट फैन लगवाएं।
- भवन के उस भाग में जहां दो दीवारें मिलती हैं, खिड़कियां तथा रोशनदानों का निर्माण वहां न करवाएं। यह अशुभकारी निर्माण होता है।
- जब कोई व्यक्ति मुख्यद्वार में प्रवेश करता है तो मुख्य द्वार से निकलने वाली चुंबकीय तरंगें उसकी बुद्धि को प्रभावित करती हैं।
- द्वार का भी सही दिशा में बनवाना आवश्यक है।
- प्रवेश द्वार सदैव अंदर की ओर खुलना चाहिए।
- प्रवेश द्वार दो पल्लों में हो तो बहुत ही उत्तम है।
- द्वार स्वतः ही खुलना व बंद होना नहीं चाहिए।



सामग्री:- 100 ग्राम बादाम गिरी, 100 ग्राम पिस्ता, 150 ग्राम सूखी मलाई, 125 ग्राम मावा, 300 ग्राम शक्कर, 3-4 केसर लच्छे, हरी इलायची पावडर आधा चम्मच, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 125 ग्राम देशी घी।

जायकेदार बादाम-पिस्ते का हलवा

विधि:- सर्वप्रथम मावे को दबा कर छलनी से मोटा-मोटा छान लें और मलाई को पतली स्ट्रिप्स काट लें। हलवा बनाने से 6-8 घंटे पूर्व बादाम पानी में भिगो दें। तत्पश्चात् बादाम के छिलके उतार कर मिक्सी में पीस लें। अब पिस्ता भी रवेदार पीस लें। कड़ाही में घी गरम कर बादाम को पानी सूख जाने तक भूनें। फिर पिस्ता डालकर तब तक सेंके, जब तक सिंकेन की खुशबू न आए। अब इसमें मावा मिलाएं और थोड़ी देर और सेंक लें। मलाई डालकर 5 मिनट सेंके। जब सिंकेन की खुशबू आने लगे तब आंच से उतारें और केसर-इलायची व गुलाब जल मिला दें। शक्कर को 2 तार की चाशनी बना लें, इसमें मिश्रण डालें और गरमा-गरम मेवे का हलवा पेश करें।

पौष्टिक बादाम मिल्क

उसमें बादाम का पेस्ट मिलाइए। दूध को धीरे-धीरे हिलाते रहें ताकि वो तले पर चिपके नहीं। बादामयुक्त दूध को 20-25 मिनट तक पकाएं, फिर शक्कर डालें और थोड़ी देर तक पकाएं। अब इलायची और केसर घोल मिलाएं। गिलासों में भरकर बादाम का पौष्टिक दूध पेश करें। प्रचुर मात्रा में आयरन और कैल्शियम वाला यह दूध आपके शरीर के लिए फायदेमंद है।



